भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3999
उत्तर देने की तारीख 18.08.2025

ज्ञान भारतम मिशन

3999. श्रीमती हिमाद्री सिंह :
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ :
श्री अरुण गोविल :
श्री अनिल फिरोजिया :
सुश्री कंगना रनौत :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 'ज्ञान भारतम मिशन' के प्राथमिक उद्देश्य क्या हैं;

(ख) वर्चुअल संग्रहालयों, ऑनलाइन अभिलेखागार आदि जैसी डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के लिए इस मिशन के अंतर्गत बनाई गई योजना का ब्यौरा क्या है; और

(ग) देशभर में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए, विशेषकर हिमाचल प्रदेश सहित राज्यवार/संघ राज्यक्षेत्रवार उक्त मिशन के वित्तीय परिव्यय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): ज्ञान भारतम मिशन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

1. सभी भारतीय पांडुलिपियों की पहचान करना।
2. संस्थानों एवं व्यक्तियों द्वारा परिरक्षित पांडुलिपियों का मेटाडेटा संग्रहित करना और व्यापक सूची तैयार करना।
3. दुर्लभ और महत्वपूर्ण पांडुलिपियों का उचित संरक्षण सुनिश्चित करना।
4. संस्थानों और व्यक्तियों द्वारा धारित पांडुलिपियों के वैज्ञानिक परिरक्षण एवं संरक्षण के लिए मानकीकृत ढांचे को क्रियान्वित करना।

5. सभी पहचान की गई पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय डिजिटल संग्रह (एनडीआर) का सृजन करना।
6. पहचान की गई पांडुलिपियों के अभिरक्षकों के लाभ के लिए मुद्रीकरण की सुविधा प्रदान करना।
7. ज्ञान के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए चयनित पांडुलिपियों को प्रकाशित करना।
8. मुद्रीकरण मॉडल के अंतर्गत अनुसंधान, अनुवाद, प्रकाशन एवं अन्य विद्वत्तापूर्ण कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय डिजिटल संग्रह (एनडीआर) में पांडुलिपियों तक नियंत्रित पहुंच प्रदान करना।
9. अभिलेखीय कागज, प्लास्टिक इमेजिंग, वैफर फिशे आदि जैसी दीर्घावधि अभिलेखीय सामग्रियों का उपयोग करके दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण पांडुलिपियों के लिए प्रत्यक्ष भण्डारण सुविधा स्थापित करना है।

(ख): इस मिशन का उद्देश्य भारतीय पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण और प्रदर्शित करने हेतु डिजिटल माध्यमों जैसे कि आभासी संग्रहालयों, ऑनलाइन अभिलेखागार और राष्ट्रीय डिजिटल संग्रह (एनडीआर) का उपयोग करना है। एआई, क्लाउड प्लेटफार्म और मोबाइल ऐप जैसी तकनीकें ज्ञान का परिरक्षण तथा व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करते हुए सुगम पहुंच, अनुसंधान, अनुवाद एवं मुद्रीकरण प्रदान करेंगी।

(ग): बजट आकलन (बीई) 2025-26 के अनुसार इस मिशन के लिए वित्तीय परिव्यय 60 करोड़ रुपए है। तथापि, हिमाचल प्रदेश के लिए राज्य-वार आवंटन नहीं किया जा रहा है।

*****